सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

द्वारा

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत प्रस्तावित

ज्योतिष एवं कुंडली विज्ञान पाठ्यक्रम

समन्वयक

प्रो0 अमित कुमार शुक्ल

अध्यक्ष– ज्योतिषविभाग

सह–समन्वयक

डॉ. मधुसूदन मिश्र

सहायक आचार्य– ज्योतिषविभाग

पाठ्यक्रम उद्देश्य–

ज्योतिष एंव कुंडली विज्ञान पाठ्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य है –

1– ज्योतिष शास्त्र के प्रति जन जागरूकता उत्पन्न करना।

2– ज्योतिष शास्त्र के व्यावहारिक पक्षों से जन सामान्य को लाभान्वित करना।

3– ज्योतिष शास्त्र के प्रति विद्यमान भ्रामक अवधारणाओं को दूर करना।

4– ज्योतिष शास्त्र के वैज्ञानिक पक्षों को भारतीय ज्ञान परम्परा के अनुरूप विश्व पटल पर स्थापित करना।

पाठ्यक्रम संरचना–

ज्योतिष एंव कुंडली विज्ञान विषय के अन्तर्गत–

1– त्रैमासिक, षाण्मासिक, एवं वार्षिक पाठ्यक्रम संचालित होंगे।

2– त्रैमासिक एंव षाण्मासिक प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम होंगे।

3– वार्षिक पाठ्यक्रम डिप्लोमा पाठयक्रम होगा।

4– त्रैमासिक, षाण्मासिक, एवं वार्षिक पाठ्यक्रम षाण्मासिक डिप्लोमा में क्रमशः कुल 45, 90, एवं 180 कालांश होंगे।

5– पाठ्यक्रम में कालांश की अवधि एक घंटे की होगी।

6– प्रत्येक पाठ्यक्रम में 04 पत्र होंगें ।

7– सप्ताह में पांच कार्यदिवसों में सांयकाल निर्धारित समयानुसार कक्षायें ऑनलाइन प्रचलित होंगी।

।। त्रैमासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम।।

(Three -months Certificate Course)

प्रथम–पत्र (ज्योतिषशास्त्र का परिचय)

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
ज्योतिष शास्त्र का परिचय	➢ ज्योतिष शास्त्र का परिचय ➢ ज्योतिष शास्त्र के भेद (सिद्धान्त,संहिता, होरा,वास्तु,रमल,प्रश्न, शकुन, ताजिकादि का परिचय)	04
ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का परिचय	➢ ज्योतिषशास्त्र का विकासक्रम । ➢ आर्यभट ➢ वराहमिहिर ➢ ब्रह्मगुप्त ➢ श्रीपति ➢ भास्कर ➢ कमलाकर ➢ सामन्तचन्द्र शेखर आदि का परिचय ।	04
ज्योतिषशास्त्रीय प्रमुख कृतियां	➢ सूर्यसिद्धान्त ➢ पंचसिद्धान्तिका ➢ बृहत्संहिता ➢ सिद्धान्तशिरोमणि ➢ बृहज्जातक आदि का परिचय ।	03

द्वितीय–पत्र (पंचांग एवं कालमान परिचय)

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
पंचांग परिचय	➢ पंचांग परिचय ➢ तिथि ➢ वार ➢ नक्षत्र ➢ योग ➢ करण ➢ अयन ➢ गोल ➢ पक्ष ➢ ऋतु ➢ मासादि का परिचय ।	05
कालमान विचार	➢ नवविध कालमान ➢ ब्राह्म ➢ दिव्य ➢ गौरव ➢ प्राजापत्य ➢ सौर ➢ नाक्षत्र आदि कालमानों का परिचय । ➢ शक संवत् विचार ।	05

तृतीय–पत्र (राशि एवं ग्रह परिचय)

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
राशि परिचय	➢ राशि स्वरूप ➢ राशि स्वामी ➢ राशि स्वभाव ➢ राशि वर्ण ➢ राशि स्थान ➢ कालपुरूष विवेचन	04
ग्रह परिचय	➢ ग्रह स्वरूप ➢ उच्च नीच विचार ➢ मूलत्रिकोण ➢ आत्मादि विचार ➢ राजादि विचार	04
ग्रहबलविचार एवं मैत्री विचार	➢ षड्बलविचार ➢ नैसर्गिक एवं तात्कालिक मित्रामित्र विचार ➢ पंचधा मैत्री विचार (मित्र,सम,शत्रु आदि का विचार)	04

चतुर्थ पत्र (कुण्डली एवं दशा का सामान्य परिचय)

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
कुण्डली परिचय	➢ कुण्डली का सामान्य परिचय ➢ द्वादश भाव विचार ➢ भावकारक ग्रह विचार ➢ भावों की केन्द्रादि संज्ञा विचार, ➢ विविध भावों से विचारणीय विषय ➢ ग्रहों से विचारणीय विषय	04
वर्ग परिचय	➢ षड्वर्ग ➢ सप्तवर्ग ➢ दशवर्ग ➢ षोडशवर्ग	04
दशा परिचय	➢ विंशोत्तरी दशा ➢ अष्टोत्तरी दशा ➢ योगिनी दशा	04

सहायक एवं सन्दर्भ ग्रन्थ –

1.मुहूर्त्तचिंतामणि

2.भारतीय ज्योतिष

3.भारतीय कुंडली विज्ञान

4.लघुजातकम्

5.जातकालंकार

6.जातकपारिजात

7.ताजिकनीलकंठी

8.षट्पंचाशिका

9.जातकतत्वम्

10. सूर्यसिद्धान्त